गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय एवं भारतीय सेना के मध्य मिलेट्स के लिए हुए समझौते के प्रभावी एवं व्यापक कियान्वयन हेतु कुलपति के साथ सेना के अधिकरियों की बैठक

पंतनगर। 16 जून 2025। गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर एवं थल सेना उत्तर भारत एरिया के मध्य आज एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। इस क्रम में भारतीय थल सेना की ओर से केन्द्रीय कामॉण्ड के जी.ओ.सी. लेफ्टिनेंट जनरल अनिन्द्य सेन गुप्ता (पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम), उत्तर भारत एरिया के जी.ओ.सी. द्वारा लेफ्टिनेंट डी.जी. मिश्रा एवीएसएम, जीओसी उत्तर भारत एरिया, ब्रिगेडियर विक्रमजीत सिंह, कर्नल जतिन ढिल्लों आदि अधिकारियों द्वारा विश्वविद्यालय भ्रमण करते हुए कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों के साथ बैठक की गयी।

बैठक में कुलपति द्वारा श्रीअन्न की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उनके लाभों से अवगत कराया गया तथा भारतीय सेना द्वारा श्रीअन्न के प्रयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय स्तर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। साथ ही उनके द्वारा समझौते के अनुरूप भारतीय सेना में श्रीअन्न के प्रति जागरूकता कार्यक्रम एवं शेफ कैडर को प्रशिक्षण दिए जाने तथा सेना की आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन तकनीकों का विकास कर सेना को उपलब्ध कराए जाने हेतु कहा गया। उन्होंने इस संबंध में एक तृतीय पक्ष से वृहद परियोजना तैयार कर वित्त पोषण हेतु प्रयास किए जाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान सेना के प्रतिनिधियों द्वारा विश्वविद्यलाय द्वारा श्री अन्न से तैयार व्यंजनों यथा मंडुआ की लस्सी, मंडुआ की आईसक्रीम, मंडुआ की बर्फी, मंडुआ का सूप, झिंगौरे की खीर, नमकीन आदि का सेवन करते हुए उनके स्वाद एवं गुणवत्ता की सराहना की गयी। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल अनिन्द्य सेन गुप्ता द्वारा विश्वविद्यालय के व्यंजनों की गुणवत्ता एवं विश्वविद्यालय शोध कार्यों की सराहना करते हुए भारतीय सेना हेतु शीध्र जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु कहा गया।

बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से संयुक्त निदेशक शोध डा. पी.के. सिंह, डा. धीरेन्द्र सिंह, डा. अनिल कुमार, डा. प्रभाकरण, डा. एस.के. शर्मा, डा. श्वैता राय, डा. अर्चना कुशवाह आदि वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग करते हुए तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त निदेशक शोध डा. पी.के. सिंह द्वारा किया गया।